SD-3075

हिन्दी

जयशंकर प्रसाद

Paper – III ग

M.A. III Semester Examination 2023-24

Time: 2:30 Hours Max. Marks: 80

नोटः इस प्रश्नपत्र में दों खण्ड हैं, खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए, सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड – 'अ'

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

[4 x 5 = 20]

प्रश्न 1: जयशंकर प्रसाद की काव्य–भाषा तथा गघ–भाषा पर तुलनात्मक टिप्पणी कीजिए।

प्रश्न 2: 'आँसू' एक विरह काव्य है। आंसू का परिचय देते हुए कथन सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 3: 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के द्वितीय अंक का सारांश लिखिए।

P.T.O.

https://www.sdsuvonline.com

प्रश्न 4 आकाश दीप' कहानी का सारांश लिखिए।

प्रश्न 5: प्रसाद की 'नाट्य कला'पर सारगर्भित टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 6: 'कंकाल' उपन्यास पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 7: 'पुरस्कार' कहानी के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 8: 'लहर' प्रसाद जी का भावात्मक काव्य–संग्रह है। स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – 'ब'

दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न

[4 x 15 = 60]

Q.1. कामायनी में भावपक्ष एंव कला पक्ष का समन्वय स्पष्ट कीजिए।

Q.2. जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

Q.3. अनियंत्रित बुद्धि दुःख और संस्कृत बुद्धि सुखदायक होती है। जयशंकर प्रसाद के इस कथन की सत्यता कामायनी के आलोक में प्रमाणित कीजिए।

Q.4. जयशंकर प्रसाद ने हिन्दी में नाटकों की रचना करके युगान्तर

https://www.sdsuvonline.com